मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 60, मुंबई, गुरुवार, 31 मार्च, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

गोवंडी से करोड़ों के एमडी के साथ दो
ड्रग तस्कर गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की वर्ली यूनिट ने घाटकोपर यूनिट की मदद से गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके में ड्रग तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब 4.5 करोड़ रुपये के एमडी (ड्रग्स) का स्टॉक जब्त किया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गिरफ्तारी में महिलाओं की संलिप्तता

गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके में पिछले कुछ महीनों में मादक पदार्थों की तस्करी में भारी इजाफा हुआ है। एनसीबी और एएनसी और स्थानीय शिवाजी नगर पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले कई ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से करोड़ों का नशीला पदार्थ बरामद किया है। इस गिरफ्तारी में महिलाएं भी शामिल हैं।

एक अन्य मामले में एएनसी की बांद्रा इकाई ने मादक पदार्थ के एक मामले में आरोपी मोहम्मद मेमन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 22 .50 लाख रुपये मूल्य का 150 ग्राम एमडी बरामद किया है

महाराष्ट्र में कैश की बड़ी रिकवरी
लोनावाला में कार से बरामद हुए 4 करोड़ रुपए

ड्राइवर नोटों पर पैर रख चला रहा था कार

पुणे। पुणे से सटे लोनावाला में ग्रामीण पुलिस ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक कार के अंदर से 4 करोड़ नगद बरामद किया है। इन पैसों को फ्रंट और ड्राइवर की सीट के नीचे छिपा कर रखा गया था। किसी को संदेह न हो इसलिए ड्राइवर और आगे बैठा हुआ शख्स इन पर पैर रख बैठे थे। शुरूआती जांच के बाद पुलिस को संदेह है कि यह हवाला के पैसे हैं और एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर किए जा रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

घाटकोपरः कॉल सेंटर में कर्ज देने के बहाने ठगी करने के आरोप में चार गिरफ्तार

मुंबई। घाटकोपर से संचालित एक कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है और एक महिला सहित चार लोगों को कथित तौर पर उन्हें कर्ज देने के बहाने ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच यूनिट 3 को गुप्त सूचना मिली थी कि एमजी रोड से एक अवैध कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

उद्धव सरकार की नींव में दरार!

अपने मंत्रियों की उपेक्षा से नाराज हुए 25 कांग्रेसी विधायक, नाना पटोले ने सीएम को लिखा पत्र

मुंबई। कांग्रेस के 25 विधायकों के बागी तेवरों को देखने के बाद माना जा रहा है कि राज्य की महाराष्ट्र विकास अघाड़ी यानी उद्धव सरकार की नींव हिल चुकी है। ये वही बागी विधायक हैं, जो अपनी पार्टी के मंत्रियों की भी नहीं सुन रहे हैं। अपने मंत्रियों से नाराज इन विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात का वक्त मांगा है। इस बीच बुधवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने सीएम उद्धव को पत्र लिखा सीएमपी को सही ढंग से लागू करने की मांग की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

गैर-जरूरी विवाद

अभी बहुत दिन नहीं हुए, जब कर्नाटक के उडुपी जिले में आयोजित सालाना कौप मरीगुड़ी उत्सव में गैर-हिंदू वेंडरों को मंदिर परिसर के आसपास कारोबार न करने देने की मांग उठी थी, जो अब मांड्या, शिवमोगा, चिकमंगलुरु, तुमकुरु और हासन जिलों तक फैल गई है, इसी बीच केरल से भी खबर आई है कि कन्नूर जिले के कुछ मंदिरों के प्रबंधन ने ख्यात पूराक्कली-मराथुकली कलाकार विनोद पणिकर की मंदिर समारोहों में कला-प्रस्तुति पर कथित तौर से रोक लगा दी है। पणिकर का आरोप है कि उनके बेटे ने मुस्लिम लड़की से शादी की है, इसलिए उन पर यह रोक लगाई गई है, जबकि वह करीब चार दशकों से इन मंदिरों में अपनी कला प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। सुखद यह है कि कल ही कर्नाटक के दो भाजपा विधायकों, एच विश्वनाथ और अनिल बेनके ने मंदिरों के आस-पास गैर-हिंदुओं के कारोबार पर प्रतिबंध को 'गैर-सांविधानिक' कृत्य बताया और यह अपील की कि लोगों के ऊपर ही छोड़ देना मुनासिब होगा कि वे किस दुकान से क्या खरीदें। सदियों का हिन्दुस्तानी लोक-व्यवहार और आजाद भारत का संविधान साक्षी है कि 'सर्वधर्म समभाव' की इसकी खूबसूरती ने पूरी दुनिया को भारत का मुरीद बनाया है और अब कुछ असामाजिक तत्व निहित स्वार्थ के कारण इसे आघात पहुंचाना चाहते हैं। भारत के तीर्थस्थल हमेशा से इसकी समावेशी संस्कृति के बड़े प्रतीक रहे हैं। और इसकी सबसे ताजा मिसाल बिहार में पूर्वी चंपारण के इश्तियाक अहमद खान ने पेश की है, जिनके परिवार ने लगभग ढाई करोड़ रुपये की जमीन रामायण मंदिर के निर्माण के लिए दान कर दी। इस देश में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब सभी धर्मों के लोगों ने मिल-जुलकर एक-दूसरे के उपासना स्थलों का जीर्णोद्धार किया है। ऐसे में, केरल-कर्नाटक सरीखी बाड़ेबंदी भारतीयता की मूल भावना के भी विपरीत है। दरअसल, हमारे सामाजिक जीवन में विद्वेष की राजनीति की घुसपैठ लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के कारण इस तरह की विसंगतियां देखने को मिल रही हैं। अब तक उत्तर भारतीय प्रदेशों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण या जातिवादी गोलबंदी के कारण अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा होती रही हैं और उनके पिछड़ेपन की एक बड़ी वजह भी है, लेकिन चिंता की बात यह है कि इस तरह की प्रवृत्तियां अब केरल-कर्नाटक में तेजी से बढ़ने लगी हैं, जो तरक्कीपसंद सूबे समझे जाते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि दक्षिण के राज्यों में उत्तर के मुकाबले सामाजिक समावेशीकरण कहीं बेहतर हुआ है और उन्हें इसका फायदा भी खूब मिला है। यह एक स्थापित तथ्य है कि कोई भी कलहप्रिय समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसलिए राज्य सरकारों का यह बुनियादी दायित्व है कि वे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटें। भारत के सामने गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मोर्चे पर पहले ही गंभीर चुनौतियां हैं। महामारी ने उन्हें और विकराल बना दिया है। ऐसे में, इस तरह के निरर्थक विवाद शासन की सिरदर्दी ही बढ़ाएंगे और उसकी कार्य-संस्कृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। इस तरह के विवाद देश के राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लिए भी किसी परीक्षासे कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व की समझदारी इन्हीं नाजुक मौकों पर देखी-परखी जाती है। कर्नाटक और केरल में सामाजिक समरसता न बिगड़े, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के साथ-साथ इन सबके कंधों पर भी है।

चुनाव सुधारों का लाभ भाजपा को!

भारत में लंबे समय से चुनाव सुधार की जरूरत बताई जा रही है। कुछ सुधार जरूर हो रहे हैं लेकिन वे इतने छोटे हैं कि उनका प्रत्यक्ष असर बहुत कम दिखाई देता है या फिर सुधार ऐसे हैं, जिनका कोई प्रभाव मतदान की प्रक्रिया पर नहीं हुआ है। जैसे जेएम लिंगदोह के मुख्य चुनाव आयुक्त रहते यह प्रावधान किया गया था कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी नामांकन पत्र के साथ एक हलफनामा देंगे, जिसमें उनकी संपत्ति, उनकी शिक्षा और उनके आपराधिक मामलों का ब्योरा होगा। माना गया था कि लोग प्रत्याशियों की आपराधिक छवि के बारे में जानेंगे तो उनको वोट नहीं देंगे। लेकिन हुआ इसका उलटा। पिछले दो दशक में आपराधिक रिकार्ड वाले सांसदों की संख्या में बहुत बढ़ोतरी हो गई है। साथ की करोड़पति सांसदों-विधायकों की संख्या में भी रिकार्ड इजाफा हुआ है। तभी ऐसे प्रतीकात्मक चुनाव सुधार की जरूरत नहीं है।

पिछले कुछ दिनों से ऐसा कुछ चल रहा है, जिससे लग रहा है कि मतदान की प्रक्रिया में कुछ बड़े बदलाव होगा। यह कब होगा और कैसा होगा, यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग की ओर से उठाए जा रहे कदमों और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए बयानों से इसे समझने की जरूरत है। इस लिहाज से दो बयान बहुत गौरतलब हैं। एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है और दूसरा उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू का है। दोनों ने नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने की अपील की है। यह अपील बहुत आम है और दूसरी पार्टियों के नेता भी करते हैं, लेकिन वेंकैया नायडू ने एक कदम आगे बढ़ कर कहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में 75 फीसदी मतदान होना चाहिए। ध्यान रहे पिछले चुनाव में 67 फीसदी से थोड़ा ज्यादा मतदान हुआ। सो, उप राष्ट्रपति ने पिछले चुनाव से आठ फीसदी ज्यादा और तीन-चौथाई मतदान की अपील की है। यह संयोग है कि जिस समय उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने ज्यादा मतदान की अपील की उसी समय राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर एक सर्वेक्षण जारी हुआ। एक पब्लिक ऐप के जरिए चार लाख लोगों का एक सैंपल सर्वे हुआ था, जिसमें 86 फीसदी लोगों ने कहा कि भारत में अनिवार्य मतदान होना चाहिए। उसके बाद से इस पर बहस चल रही है। इस बीच एक संसदीय समिति ने चुनाव आयोग से इस बात की पड़ताल करने को कहा है कि मतदान का प्रतिशत कम क्यों हुआ है। ध्यान रहे हाल में हुए पांच राज्यों के चुनाव में मणिपुर को छोड़ कर बाकी चारों राज्यों में मतदान प्रतिशत में कमी आई। पंजाब में तो मतदान 77 प्रतिशत से कम होकर 71 फीसदी पर आ गया। भाजपा नेता सुशील मोदी की अध्यक्षता वाले कानून व न्याय मंत्रालय की संसदीय समिति ने चुनाव आयोग से इसकी पड़ताल करने को कहा है। इससे जाहिर होता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों मतदान प्रतिशत को लेकर किसी न किसी तरह की उधेड़बुन में हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजों के बाद यह चिंता बढ़ी है क्योंकि हिंदू मतदाताओं के जबरदस्त ध्रुवीकरण के बावजूद भाजपा वहां 38 फीसदी ही वोट हासिल कर पाई।

भाजपा का ऐसा मानना है कि अल्पसंख्यक मतदाता ज्यादा मतदान करते हैं और उसके मुकाबले हिंदू मतदाता वोट डालने कम संख्या में निकलते हैं। अगर उनका मतदान प्रतिशत बढ़ेगा तो भाजपा को उसका फायदा हो सकता है। अनिवार्य मतदान या मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उपायों पर चर्चा के बीच केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि सरकार प्रवासी भारतीयों को ऑनलाइन मतदान की सुविधा देने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो यह बहुत बड़ा कदम होगा। ध्यान रहे अभी प्रवासी मतदाताओं को वोट डालने के लिए भारत आना पड़ता है। तभी बहुत कम प्रवासियों ने बतौर मतदाता खुद को भारत में पंजीकृत कराया है। दुनिया में दो करोड़ के करीब प्रवासी भारतीय हैं लेकिन मतदाताओं की संख्या सिर्फ एक लाख है। अगर सरकार ऑनलाइन मतदान का प्रावधान करे तो उनकी संख्या बहुत बढ़ेगी। ध्यान रहे अभी इलेक्ट्रोनिक पोस्टल बैलेट भेज कर चुनाव कराने का प्रस्ताव आया हुआ है। विपक्षी पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। इलेक्ट्रोनिक पोस्टल बैलेट कलेक्ट करके भारत भेजने की जिम्मेदारी दूतावासों और उच्चायोगों को देने की बात है, जिसका उन्होंने भी विरोध किया है। उनका कहना है कि इसके लिए दूतावासों और उच्चायोगों का बुनियादी ढांचा सुधारना होगा और कर्मचारियों की संख्या बढ़ानी होगी। सोचें, अगर प्रवासियों को इलेक्ट्रोनिक बैलेट से या ऑनलाइन मतदान की सुविधा मिलती है तो उसका फायदा किसको होगा? कहने की जरूरत नहीं है कि प्रवासी भारतीयों के बीच भाजपा और नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता किसी दूसरी पार्टी या नेता के मुकाबले बहुत ज्यादा है।

इसी तरह चुनाव आयोग पोस्टल बैलेट से मतदान और घर बैठे मतदान का दायरा बढ़ा रहा है। पहले सैनिकों और चुनाव प्रक्रिया में शामिल लोगों को ही पोस्टल बैलेट से मतदान की अनुमति थी। लेकिन अब बीमार और 80 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को भी घर बैठे मतदान की सुविधा मिली है। आने वाले दिनों में इसमें कुछ और समूह जोड़े जा सकते हैं, जिनको घर बैठे मतदान की सुविधा मिलेगी। कई विपक्षी पार्टियां इस व्यवस्था को लेकर आशंकित हैं और उनको लग रहा है कि सत्तारूढ़ पार्टी इसका अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर सकती है। ध्यान रहे संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में जैसा पूर्वाग्रह हाल के दिनों में देखने को मिला है उसे देखते हुए किसी किस्म के दुरुपयोग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। एक और सुधार 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक बार इसके बारे में बात कर चुके हैं और संसद के चालू सत्र में पिछले हफ्ते राज्यसभा में यह मुद्दा उठा। भाजपा के सांसद डॉक्टर डीपी वत्स ने बजट सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाया और कहा कि इस समय देश में 'एक राष्ट्र, लगातार चुनाव' की स्थिति हो गई। उन्होंने सभी दलों से एक साथ चुनाव पर सहमति बनाने की अपील की। चुनाव आयोग ने पूरे देश के लिए एक मतदाता सूची बनाने का ऐलान करके इस दिशा में एक ठोस पहल की है। लेकिन एक साथ पूरे देश में संसद, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव कराने का फैसला चुनाव आयोग नहीं कर सकता है और सिर्फ सत्तारूढ़ दल भी नहीं कर सकता है। इस पर सभी पार्टियों और राज्यों की सरकारों के साथ सहमति बनानी होगी। अभी जिस तरह से भारत में सारे चुनाव राष्ट्रपति मॉडल पर लड़े जा रहे हैं और गैर भाजपा दलों को हर चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ना पड़ रहा है उसे देखते हुए लग रहा है कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव हुए तो उसका फायदा भी भाजपा को होगा। सो, कुल मिला कर अभी चुनाव सुधार के नाम पर जितने बदलाव प्रस्तावित हैं उन सबकी एकमात्र लाभार्थी भाजपा ही दिख रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कौसा एमएमवैली परिसर की ग्रेस स्क्वायर इमारत की

सेफ्टी टैंक साफ करने उतरे दो सफाई कर्मचारी की हुई दम घुटने से मौत

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। सेफ्टी टैंक में दम घुटने या डूबने का यह दूसरा मामला प्रकाश में आया है हाल ही में थाने शहर में सेफ्टी टैंक साफ करने उतरे सफाई कर्मचारी की दम घुटने से हुई मौत की घटना सामने आई थी वहीं दूसरी घटना मुंब्रा से सामने आ रही है इस मामले में मुंब्रा पुलिस के गुनाह के एपीआई गिताराम शेवाळे द्वारा मिली जानकारी के अनुसार कौसा एमएमवैली स्थित परिसर मैं ग्रेस स्क्वायर नामी इमारत में तकरीबन 3:45 बजे के आसपास दो सफाई कर्मचारी सेफ्टी टैंक साफ करने उतरे थे और दोनों की दम घुटने से मौत हो गई यह दोनों व्यक्ति टीएमसी द्वारा दिया गया कॉन्ट्रैक्ट

अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी में बतौर सफाई कर्मचारी का काम करते थे परंतु इनका काम करने का समय सीमा 3:00 बजे खत्म हो गई थी और यह निजी तौर पर इस इमारत में सेफ्टी टैंक साफ करने के लिए उतरे थे और उनकी दम घुटना से मौत हो गई इमारत के रहिवासियों ने मनपा प्रशासन की अग्निशमन दल को और आपदा प्रबंधन विभाग को सूचित किया सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर इन दोनों को सेफ्टी टैंक चेंबर से बाहर निकाल कर नजदीकी प्राइम हॉस्पिटल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां पर डॉक्टरों ने जांच करने के बाद दोनो युवकों को मृत घोषित कर दिया इनका नाम सूरज राजू मड़वी वर्ष 22 रहिवासी उमरली गांव का बताया जा रहा है दूसर का नाम हेमंत वर्ष 26 रहवासी नादिड़ गांव का बताया जा रहा है मुंब्रा पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए दोनों युवकों की शव को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में पोस्टमार्टम हेतु के लिए भेज दिया और इस मामले में पुलिस द्वारा एडीआर का मामला दर्ज करते हुए आगे की छानबीन मुंब्रा पुलिस कर रही है।

मुंबई की अदालत का जबरन वसूली के मामले में आईपीएस अधिकारी को अग्रिम जमानत देने से इनकार

मुंबई। एक स्थानीय सत्र अदालत ने आईपीएस अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को अंगड़ियों द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कथित जबरन वसूली के मामले में अग्रिम जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर. एम. सदरानी ने पुलिस उपायुक्त त्रिपाठी की याचिका खारिज कर दी। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं कराया गया है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी त्रिपाठी ने अपने वकील अनिकेत निकम के माध्यम से अदालत में उस समय याचिका दायर की थी जब उन्हें मामले में एक आरोपी के रूप में नामित किया गया था। यह दक्षिण मुंबई स्थित अंगडियों (पारंपरिक कोरियर) द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। वकील निकम ने अदालत को बताया कि आईपीएस अधिकारी को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। उन्होंने दलील की कि त्रिपाठी के पास अंगड़ियों से पैसे वसूलने का कोई कारण नहीं है। अभियोजन पक्ष ने गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। इस मामले में दक्षिण मुंबई के एलटी मार्ग पुलिस थाने से जुड़े एक निरीक्षक, एक सहायक निरीक्षक और एक उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया है।

सात साल बाद मुंबईकरों को मिलेंगे दो नए मेट्रो कॉरिडोर, 3 अप्रैल से उठाएंगे लुत्फ

मुंबई। करीब सात साल बाद मुंबईकरों को दो नए मेट्रो कॉरिडोर मिलने वाले हैं। 3 अप्रैल की सुबह से यात्री मेट्रो ट्रेन का पूरा आनंद ले सकते सकेंगे। 2 अप्रैल की शाम 4 बजे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हरी झंडी दिखाकर मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर पर मेट्रो सेवा आम यात्रियों के लिए शुरू करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान वीआईपी अतिथियों के मेट्रो से सफर करने की वजह से शनिवार से आम जनता को मेट्रो सेवा का आनंद नहीं मिल पाएगा। 3 अप्रैल यानी रविवार से यात्री अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने और वहां से दोबारा लौटने के लिए मेट्रो सेवा का इस्तेमाल कर सकेंगे।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात

यात्रियों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए मेट्रो के पहले फेस के तहत मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर के डहाणूकरवाड़ी से आरे स्टेशन के बीच सेवा की शुरूआत की जा रही है। एमएमआरडीए कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवास के मुताबिक, मेट्रो के चलने से आम जनता के साथ ही ट्रैफिक पुलिस का भी काम कुछ हद तक होगा। मेट्रो 7 का निर्माण वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर का निर्माण एसवी रोड के करीब हुआ है। सर्वे के मुताबिक, मेट्रो के चलने से करीब 30 से 40 फीसद ट्रैफिक में कमी आएगी। केवल वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर वाहनों की आवाजाही करीब 21 फीसदी कम होगी। रोजाना इस मार्ग पर दौड़नी वाली करीब 4900 वाहनों आवाजाही कम हो जाएगी। मेट्रो की सुविधाजनक सेवा होने की वजह से लोग अपने निजी वाहनों के बजाय मेट्रो में सफर करना पसंद करेंगे। इससे ईंधन की बचत होने के साथ ही यात्रियों के पैसे की भी बचत होगी।

किराया बेहद कम

सभी को मेट्रो से कनेक्ट करने के लिए मेट्रो का किराया बेहद कम रखा गया है। यात्रियों को तीन किलोमीटर के तक सफर के लिए 10 रुपये, 3 से 12 किलोमीटर के लिए 20 रुपये, 12 से 18 किलोमीटर के लिए 30 रुपये और 18 से 24 किलोमीटर के लिए 40 रुपये चुकाने होंगे।

रोजाना 200 फेरी लगेंगी

2014 में मुंबई में पहली मेट्रो सेवा घाटकोपर से वर्सोवा के बीच शुरू की गई है। कोविड से पहले मेट्रो-1 से रोजाना करीब साढ़े चार लोग सफर करते थे, वहीं मौजूदा समय में 2 लाख यात्री रोजाना मेट्रो सफर कर रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गोवंडी से करोड़ों के एमडी के साथ दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी की पहचान अयूब इजहर शेख (32) के रूप में हुई है, जो गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके में रहता है और उस पर मानखुर्द में डकैती और चूनाभट्टी थाने में नकली पुलिस के रूप में लोगों को ठगने का मामला दर्ज किया गया है। जबकि अन्य आरोपी शमशुल्लाह खान (39) जोगेश्वरी इलाके में रहता है। इसी तरह एएनसी की बांद्रा इकाई ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 23 लाख रुपये कीमत का 150 ग्राम एमडी (ड्रग्स) बरामद किया है। इसी तरह वर्ली के एंटी नारकोटिक्स सेल को गुप्त सूचना मिली थी कि गोवंडी में बड़े पैमाने पर ड्रग्स की तस्करी होने वाली है। पुलिस ने मंगलवार सुबह घाटकोपर एएनसी की मदद से गोवंडी इलाके में जाल बिछाया तो पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से करीब 250 ग्राम एमडी बरामद हुआ। पूछताछ के बाद आरोपी ने बताया कि गोवंडी के शिवाजी नगर प्लॉट नंबर-44 स्थित एक मकान में एमडी का बड़ा स्टॉक है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के बताए घर पर छापेमारी की तो वहां से करीब 2 किलो 750 ग्राम एमडी स्टॉक बरामद हुआ। पुलिस गिरफ्तार आरोपी अयूब इजहार शेख को हिरासत में लेकर जांच कर रही है कि उसके गैंग में और कौन है और उसके संपर्क में कौन है।

महाराष्ट्र में कैश की बड़ी रिकवरी

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सटीक मुखबिरी मिली थी कि कुछ लोग एक कार के कई करोड़ रुपए, अवैध हथियार लेकर पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे से होते हुए कोल्हापुर जाने वाले हैं। इसके बाद लोनावला के पास जाल बिछाया गया और KA 53 MD 8508 नंबर की स्विफ्ट कार को रोक उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पहली बार की चेकिंग में पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा, लेकिन मुखबिरी सटीक थी। इसलिए पुलिस ने फिर से कार को देखना शुरू किया और पाया कि ड्राइवर के पैरों के नीचे वाली जगह उठी हुई है। इसके बाद वहां का कारपेट हटाया गया और पुलिस को वहां से 4 करोड़ कैश बरामद हुआ। पुलिस ने कार चला रहे 29 वर्षीय महेश नाना साहब माने को अरेस्ट कर लिया है। महेश सांगली जिले के खानपुर का रहने वाला है। उसके साथ विकास संभाजी घाडगे (26) को भी अरेस्ट किया गया है। बरामद रुपए 500 और 2000 की करेंसी में हैं। पुलिस ने इन पैसों को सील कर इसकी जानकारी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दे दी है। हालांकि, इसमें मनी लांड्रिंग एंगल की जांच भी की जा रही है। फिलहाल पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पैसे का सोर्स नहीं बताया है। पुलिस कुछ ही देर में कस्टडी के लिए उन्हें स्थानीय कोर्ट में पेश करेगी।

घाटकोपर में कॉल सेंटर में कर्ज देने के बहाने ठगी करने के आरोप में चार गिरफ्तार

गिरोह के सदस्यों ने यादृच्छिक लोगों से संपर्क किया और उन्हें कम आसान मासिक किश्तों के साथ व्यक्तिगत और गृह ऋण की पेशकश की। इसी तरह वर्ली निवासी एक गिरोह ने 82,000 रुपये की ठगी की है। हालांकि, पीड़ितों की कुल संख्या अधिक है और पुलिस अब उनके डेटाबेस की जांच कर रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान 34 वर्षीय सतीश दुगुर्डे, 27 वर्षीय सागर फाटक, 24 वर्षीय प्रथमेश पाटाडे और 27 वर्षीय दीपिका माली के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला है कि आकाश बिंद नाम का एक व्यक्ति, जो पीड़ितों के संपर्क विवरण उपलब्ध कराता था, फरार है। पुलिस ने कहा कि वह लाभ का 60 फीसदी हिस्सा लेता था, जबकि बाकी को आरोपियों में बांट दिया जाता था।

उद्धव सरकार की नींव में दरार!

एक अंग्रेजी अखबार ने दावा किया है कि बागी रुख अख्तियार करने वाले कांग्रेस विधायकों का कहना है कि गठबंधन सरकार की तो छोड़िये यदि हमारे मंत्री ही हमारी नहीं सुनेंगे तो आगामी चुनावों में पार्टी अच्छा प्रदर्शन कैसे कर पाएगी। सूत्रों की माने तो बागी विधायकों ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर तुरंत दखल देने की मांग की है, ताकि चीजें बिगड़ने से पहले संभल जाएं। विधायकों ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री हमारी चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और वे हमसे तालमेल नहीं बना रहे हैं। पार्टी में समन्वय की कमी जाहिर करते हुए इनमें से कुछ विधायकों ने पत्र में कहा है कि महा विकास अघाड़ी सरकार के मंत्री, खासकर कांग्रेस के मंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। एक विधायक ने कहा कि अगर मंत्री विधायकों के चुनाव क्षेत्रों के कामों का आग्रह टालेंगे तो पार्टी आने-वाले चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कैसे करेगी? कांग्रेस विधायकों ने कहा कि उन्हें पिछले हफ्ते ही पता चला कि कांग्रेस के तीन विधायकों के साथ समन्वय के लिए एक मंत्री तैनात किया गया है।

उस्ताद हाजी हमीम बक्ष को राज्य फक्र ए मिलत अवार्ड देकर सम्मानित किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोधपुर ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी की जानिब से होटल मारवाड़ एक्सीलेंस मे राज्य लेवल अधिवेशन जोधपुर इकाई के अध्यक्ष सैयद आरिफ अली के नेतृत्व मे आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय चेयरमैनम मुक्ति खान, महासचिव सैयद रियाज अली,ने उस्ताद हाजी हमीम बक्ष को 36 ही कोम के लिए हर वक्त इनकी नि स्वार्थ खिदमत को देखते हुए फक्र ए मिलत अवार्ड देकर सम्मानित किया जिसमे यह रहे मौजूद हाजी सैयद आरिफ अली, हाजी शाहीद मोहम्मद, हाजी शेख निजामुदिन, हाजी अनवर अली, दिल्ली स्टेट हज कमेटी के सीईओ जावेद आलम,याकुब अंसारी, सलाहुदिन शेख, मसरूर खान, शहजाद अंसारी, इकराम एस बी, सैयद जुनैर अली व सभी ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी के पदअधिकारी व दिल्ली स्टेट कमेटी जयपुर स्टेट हज कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य मोजुद रहे।

आमेट में आज जश्ने सैलानी कौमी एकता के रूप मनाया जाएगा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

हक़ सैलानी या सैलानी

राजसमंद, आमेट। हजरत सैय्यद शहीद गुलाब शाह र.अ. आमेट स्थित दरगाह पर आज 31 मार्च जुमेरात को जश्न ऐ सैलानी कौमी एकता के रूप में मनाया जाएगा, प्रोग्राम के मुताबिक सैलानी ग्रुप के विशेष पदाधिकारियों जिसमे अशरद मोहम्मद शैख,असलम भाई उस्ता, मुस्तफा रंगरेज, शब्बीर हुसैन, रईस शैख, असलम चाबुकसवार, सद्दाम चाबुकसवार, सद्दाम मंसूरी, असलम खान पठान, कार्तिक बागवान आदि द्वारा अहम जानकारियां देते हुए बताया कि आज 31 मार्च जुमेरात को 4.30 बजे दोपहर को चादर शरीफ का जुलूस जो ईमामबाड़ा से गाजे बाजे (हुसैनी साज) ऊंट घोड़ो के साथ जुलूस तकिया रोड, होलीथान, नाईयो का पावटिया होते हुए आस्ताना ए आलिया हजरत सैय्यद शहीद गुलाब शाह र.अ .को चादर शरीफ पेश की जाएगी इसी दिन बाद नमाज ऐ ईशा महफिल ऐ मिलाद का आयोजन जामा मस्जिद के पेश ईमाम मोहतरम कुर्बान गुलजारी साहब, मदीना मस्जिद पेश ईमाम मोहतरम हाजी अब्दुलरज्जाक साहब, मदरसा आसन मौलाना हफीजो कारी जनाब मोहम्मद फारुख रजा साहब, मदरसा कुरेशी मोहल्ला मौलाना शौकत अली साहब, आप सभी हजरात द्वारा नात और मनकबत पेश होगी बाद महफिल के महफिल ऐ शमा का प्रोग्राम होगा जिसमें हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल जनाब शौकत अंदाज एण्ड पार्टी अपना कलाम पेश करेंगे एवम फजर से पहले कुल शरीफ की फातिहा होगी जिसमें देश में हिन्दू मुस्लिम भाई चारा बना रहे, खुशहाली कि दुआएँ माँगी जाएगी।

धनबाद के वरिष्ठ कराटे कार एम अली को वर्ल्ड जीदोकवान फेडरेशन यू एस द्वारा ब्लैक बेल्ट सिक्स डॉन से किया गया सम्मानित

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

झारखण्ड, धनबाद। धनबाद के वरिष्ठ कराटे कार एम अली को वर्ल्ड जीदोकवान फेडरेशन यू एस द्वारा ब्लैक बेल्ट सिक्स डॉन से किया गया सम्मानित, मोअज्जम अली पिछले 1983 से मार्शल आर्ट का प्रैक्टिस कर रहे हैं उन्होंने अपने जीवन का लगभग 40 साल दिया है उन्होंने कठिन परिश्रम के बाद उन्होंने वर्ल्ड जिदोकवान ताइक्वांडो फेडरेशन की बेल्ट ग्रेडिंग में उन्हें सिक्स डॉन देकर उन्हें प्रोफेसर डॉक्टर ग्रैंड मास्टर जे एस हनजन एवं ग्रैंड मास्टर डॉ. इमैनुएल इकपेमे 9थ डान (कुकिवोंन) वर्ल्ड जिदोक्वान फेडरेशन एवं ई टी टी एफ द्वारा ब्लैक बेल्ट6Dan 'डिग्री' से एम अली को सम्मानित किया गया साथ ही उन्हें इंडिया का अध्यक्ष भी बनाया गया, झारखंड में पहला ऐसा मार्शल आर्ट के खिलाड़ी है जिन्हें जेडोकुवान ताइक्वांडो कुकीवान द्वारा इंडिया का अध्यक्ष बनाया गया है एम अली ने सबसे पहले ब्लैक बेल्ट की डिग्री मास्टर एस श्रीनिवासन से 1985 में कराटे में ब्लैक बेल्ट लिया था उसके बाद हैदराबाद के मास्टर एम जैथ रेड्डी यूएस ताइक्वांडो के मास्टर है उनसे अली ने 1997 में ब्लैक बेल्ट थर्ड डॉन प्राप्त किया, काफी लंबे जर्नी तय करने के बाद उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल किया और उन्हें सिक्स डॉन से सम्मानित किया गया, उस समय उन्होंने कराटे का प्रैक्टिस शुरू किया था जब लोग इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते थे मगर आज घर-घर लोग कराटे मार्शल आर्ट के बारे में जानते हैं एम अली ने बताया कि अब तक लाखों बच्चों को आत्मरक्षा की कला को सीखा चुके हैं सरकार से आग्रह है कि जापान, कोरिया, अमेरिका, चाइना की तरह यहां भी मार्शल आर्ट के शोध के लिए स्कूल और यूनिवर्सिटी खोला जाना चाहिए ताकि देश और दुनिया में हमारे देश भारत का नाम और भी रोशन हो सके और यहां के लोगों को इसका फायदा मिल सके, एम अली ब्लैक बेल्ट 6Dan प्राप्त करने के बाद, जीदोकवां ताइक्वांडो एवं ITTF को और बढ़ावा देने के उद्देश्य झारखंड से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड के खेल मंत्री हाजी फीजुल हसन एवं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिलकर इस खेल को और आगे विस्तार करने के लिए सहयोग मांगा मंत्री जी ने आश्वासन दिया की झारखंड के बच्चों को इस आत्मरक्षा कलाकार लाभ मिल सके इसके लिए विस्तार करने में सहयोग करेंगे उन्होंने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे वह प्राप्त किया यह झारखंड के लिए गर्व की बात है।

बढ़ते बाल अपराध चिंता का विषय, शिक्षा का स्तर बेहतर करने से कमी संभव: नुसरत नकवी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। बाल अधिकारों के सम्बन्ध में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउण्डेशन एवं दिशा फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान बाल आयोग की सदस्य नुसरत नकवी रहीं। अध्यक्षता जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने की। जन संवाद के दौरान विभिन्न पीड़ित परिवारों ने अपनी संवेदना व्यक्त कीं, जिनका शीघ्र निराकरण कराने का विश्वास दिलाया गया। इस मौके पर देश की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण वहां के किया जाता हैं। हमारे देश में साक्षरता का प्रतिशत अभी भी उच्च स्तर नहीं पहुंचा है, जिसकी वजह से बाल शोषण एंव बाल दुर्व्यवहार जैसी समस्याएं आए दिन सामने आ रहीं हैं। इन समस्याओं को रोकने के लिए सरकार ने कानून तो अवश्य बनाए हैं, किन्तु जब तक समाज में जाग्रति नहीं आएगी तब तक इसे रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पीड़ित बालक की मनोदशा को देख कर ही जांच कार्यवाही की जानी चाहिए। हमे कमजोर लोगों को मजबूत बनाना होगा! कभी ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए सहयोग करना शुरू करेंगे। वही कलेक्टर आलोक रंजन ने कहा की सरकार द्वारा बाल अपराधों की रोकथाम के लिए कठोर कानून बना दिए गए हैं, लेकिन इनकी समय पर जांच नहीं होने और सामाजिक दबाव के कारण अधिकांश मामलों में कोई कार्रवाई नहीं होती हैं! बाल अपराधों की जांच के मामलो में कोई पुलिस अधिकारी लापरवाही बरतेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि बाल अपराधों की रोकथाम की जागरूकता के लिए ब्लॉक व पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में कैलाश सत्यार्थी फाउण्डेशन की मैनेजर इशिता खण्डिका में फाउण्डेशन द्वारा बाल अधिकारों की जागरूकता एवं बाल शोषण की रोकथाम के लिये चलाये जा रहें अभियान की जानकारी दी। प्रारम्भ में दिशा फाउण्डेशन के निदेशक दिनेश कुमार सिंह ने जनसंवाद कार्यक्रम के बारे में बताया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गंगाराम पाराशर, सदस्य अनुराधा शर्मा, मदन मोहन शर्मा राजाराम भूतोली, नरेंद्र ठाकुर के साथ समसेवक, देवेंद्र चामड़, मिलन अग्रवाल, पवन गोयल, अभिषेक खीची, भीम सिंह राजपूत, देवेंद्र भारद्वाज जी, अंकित अग्रवाल एवं अन्य समाजसेवी लोग मौजूद रहे! उक्त जानकारी समाजसेवी मिलन अग्रवाल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने जेल में बंद कैदियों को 50,000 रुपये तक का पर्सनल लोन देने का फैसला किया

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने जेल में बंद कैदियों को 50,000 रुपये तक का पर्सनल लोन देने का फैसला किया है। कैदियों को जेल में किए गए काम के बदले ये लोन दिया जाएगा। राज्य के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक लोन के बदले 7 प्रतिशत ब्याज लेगी। पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में पायलट प्रॉजेक्ट के तौर पर अभी इस फैसले को लागू किया जा रहा है। इस योजना पर आदेश मंगलवार को जारी किया जा चुका है। अधिकारियों का दावा है कि कैदियों को लोन देना देश में अपनी तरह का पहला मामला है। जानकारी के मुताबिक इस लोन के लिए कैदियों को किसी गारंटर की कोई जरूरत नहीं होगी। यह व्यक्तिगत बांड पर वितरित किया जाएगा। बैंक कमाई, कौशल, दैनिक मजदूरी के आधार पर राशि तय करेगा। इस तरह के लोन को खवती ऋण कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक सरकार की इस योजना से करीब 1,055 जेल बंदियों को लाभ उम्मीद है। बताया जा रहा है कि लोन से मिलने वाली राशि का उपयोग कैदी वकील की फीस, परिजनों को मदद आदि के लिए कर सकते हैं। यह देश में अपनी तरह का पहला है, एक अधिकारी ने बताया। उन्होंने कहा कि ऋण पारिवारिक बंधनों को मजबूत करने में भी मदद करेगा क्योंकि यह कैदियों और उनके परिजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

2 अप्रैल चेटीचंड पर्व पर विशेष

सिन्धी समुदाय (भारत पाक) के लोगों के आराध्य झूलेलाल जी की जयंती का महापर्व हैं चेटीचंडः नितिन कालरा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। सिन्धी समुदाय के आराध्य भगवान झूलेलाल जी की जयंती को 2 अप्रैल को चेटीचंड पर्व पर देश में बड़े धूमधाम से समाज के लोग मनाते हैं। दिल्ली के वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता नितिन कालरा ने इस बारे में तथ्यात्मक एवं सारगर्भित तरीके से विश्लेषण किया जो वाकई काबिले तारीफ हैं। नितिन कालरा लिखते हैं कि-चेटीचंड के दिन श्रद्धालु बहिराणा साहिब जाते हैं और इस दिन सिन्धी समाज के लोग अपने देव भगवान श्री झूलेलाल साईं की शोभा यात्रा निकालते हैं। शोभा यात्रा में सिन्धी समाज के लोग 'छेज' नामक नृत्य करते हैं जो कि गुजरात के डांडिया की ही तरह का लोकनृत्य होता हैं और साथ में झूलेलाल जी की महिमा की महिमा के गीत गाए जाते हैं!

चेटीचंड क्यों मनाया जाता हैं इसका महत्व और तिथ जानिए

विविधता में एकता का प्रतीक भारत एक अद्भुत जगह हैं, जहाँ अनगिनत संस्कृतियां एकाकार होती हैं, यहाँ अनेकों धर्मों और मतों के मानने वाले लोग रहते हैं जो असंख्य त्योहारों को उत्साह के साथ मनाते हैं! सिन्धी समुदाय का त्यौहार चेटीचंड भी ऐसा ही एक त्योहार हैं! यह वरुण देव (जल देवता) साईं झूलेलाल (जिनका नाम उदरोलाल भी हैं) का जन्म दिन समारोह हैं! सिन्धियों में इसे एक अत्यंत एक शुभ दिन माना जाता हैं और यह बड़े धूमधाम से मनाया जाता हैं! सिन्धियों के लिए चेटीचंड नए साल की शुरूआत का प्रतीक हैं! मराठी नववर्ष में आने वाले गुड़ी पड़वा के समान ही चेटीचंड सिन्धी समुदाय के नववर्ष की शुरूआत माना गया हैं। इस दिन जल के देवता वरुणदेव की पूजा की जाती हैं! बहुत से लोग पुर्णिया के दिन किसी नदी या झील के किनारे दूध और आटे में चावल मिलाकर 'अखो' चढ़ाने जाते हैं! यदि कोई नदी या ऐसा जलाशय पास में नहीं हैं तो किसी कुएँ पर इस रिवाज को निभाते हैं! चेटीचंड आमतौर पर चेत्र शुक्ल पक्ष के पहले दिन यानि हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चेत्र (सिन्धी महिने) महिने की शुरूआत में पड़ता हैं! यह कभी कभी दूसरे दिन भी हो सकता हैं! यह ग्रेगरियन कैलेंडर के अनुसार मार्च और अप्रैल में आ सकता हैं! इस वर्ष सिन्धी नववर्ष निम्न तिथि और मुहुर्त के अनुसार मनाया जाएगा।

- चेटी चंड शनिवार 2 अप्रैल 2022
- चेटी चंड मुहुर्त - 06:43 ढट से 07:44 PM
- अवधि 01 घंटा 02 मिनट्स
- प्रतिपदा तिथि प्रारंभ अप्रैल 01, 2022 को 11:53 AM बजे
- प्रतिपदा तिथि समाप्त अप्रैल 02, 2022 को 11:58 AM बजे

चेटीचंड (Cheti Chand) का क्या महत्व हैं

सिन्धी इस त्यौहार को भगवान झूलेलाल के जन्मदिन समारोह के रूप में मनाते हैं, जिन्हें उदरोलाल के नाम से भी जाना जाता हैं! उन्हें उनके संरक्षक संत के रूप में जाना जाता हैं! इस दिन वरुण देव झूलेलाल के रूप में अवतरित हुए थे! उन्होंने सिन्धी संस्कृति और हिन्दू धर्म को होने से बचाने के लिए अवतार लिया था! अतः इस दिन जल देवता की पूजा कर उनका आभार जताया जाता हैं! हिन्दू पंचाग के चेत्र माह को एक महत्वपूर्ण महिना माना जाता हैं! जिसे सिन्धी समुदाय द्वारा 'चेत' कहा जाता हैं! इसके अलावा उनके पंचाग के अनुसार प्रत्येक नया महिना अमावस्या यानि 'चांद' से शुरू होता है! इसलिए उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता हैं और इस दिन को चेटीचंड का नाम दिया गया है! इस दिन सिन्धी समुदाय के लोग विभिन्न अनुष्ठान करते हैं और लगातार चालीस दिनों तक प्रार्थना करते हैं! इस भेंट को चालिहों के नाम से जाना जाता हैं! इसके बाद वे चेटीचंड का भव्य उत्सव मनाने हैं! उनमें से कई लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं और व्रत पूर्ण होने पर फलों को ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ते हैं। भगवान झूलेलाल की पूजा करने के बाद सिन्धी समुदाय के लोग नाटक, नृत्य, संगीत के माध्यम से अपनी समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन करते हैं! लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ खाने के लिए स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाते हैं! इसके अलावा वे एक दूसरे से मिलते हैं और 'चेटीचंड ज्यों लख लख बधाइयाँ आठव' कहते हैं और बधाई देते हैं! झूलेलाल जयंती या सिन्धी नववर्ष सभी के लिए एक साथ उत्साह, आनंद और लालित्य का एक भव्य आयोजन हैं।

कास्टिंग डायरेक्टर पर केस दर्ज

महिला कलाकार के साथ बलात्कार करने का मामला

पुणे। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि पुणे पुलिस ने एक फिल्म कास्टिंग डायरेक्टर के खिलाफ एक महिला बैकस्टेज कलाकार के साथ कथित रूप से बलात्कार करने का मामला दर्ज किया है। महाराष्ट्र के विश्रांतवाड़ी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कुछ साल पहले जब वह 17 साल की थी तब उसे ब्लैकमेल करके कथित तौर पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी द्वारा लगातार प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता, जो अब 21 साल की है, ने अपने माता-पिता को इसकी सूचना दी, जिन्होंने पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने कहा कि उनकी शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मंगलवार को आरोपी के खिलाफ संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जिसमें 376 (बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के प्रावधान शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बेखौफ बदमाशों ने सर्राफा व्यापारी की आंख में मिर्च झोंक कर 3 लाख 74 हजार के जवरात लूटे

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

धामनगाव बढ़े। तहसील अंतर्गत धामणगांव बढे पुलिस स्टेशन अंतर्गत ग्राम रोहिणखेड़ निवासी विजय नारायण सुरपाटने सोमवार २८ मार्च को कोन्हाला बाजार स्थित अपनी अलंकार ज्वेलर्स दुकान बंद करके दुकान से सोने चांदी व नकद राशि लेकर घर जा रहे थे। उसी दौरान शाम ५ बजे दरम्यान लालमाटी परिसर में दुपहिया से आए दो अज्ञात आरोपि ने सुरपाटने की आंखों में मिरची पाउडर फेंककर गले, में पहने हुए सोने के आभूषण व नकद राशि , कुल लगभग ३ लाख ७४ हजार रुपए की सामग्री लूट कर हाथ से बैग भी जबरन छीनकर भाग गये। इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धामनगांव पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया है। घटना के बारे में विजय सुरपाटने ने २९ मार्च को धामणगांव बढे पुलिस स्टेशन में दी शिकायत में कहा है कि अलंकार ज्वेलर्स दुकान बंद करके घर जा रहा था। दरम्यान लालमाटी शिवार में पीछे से एक दुपहिया वाहन पर आए दो अज्ञात आरोपियों में से एक ने मुझे रूकने का इशारा कर, आंखों

में मिरची पाउडर फेंकी तथा बैग छीनकर बैग में रखे सोने की मनी पाच ग्राम मूल्य २० हजार रुपये, सोने के गेहूं मनी दस ग्राम मूल्य ४० हजार रुपये, सोने की हाफ बुट्टी ८ ग्राम मूल्य ३० हजार रुपये, सोने की बाली ७ ग्राम मूल्य २८ हजार रुपये, सोने की डिस्को बाली ७ ग्राम कीमत २८ हजार, सोने के कारले मनी १० ग्राम ४० हजार रुपये, सोने के बिस्किट का टुकडा ११ ग्राम ४४ हजार रुपये व चांदी के आभूषण जिसमे चांदी का रॉड वजन ५०० ग्रॅम मूल्य ३० हजार रुपये, चांदी का तार वजन १५० ग्रॅम मूल्य १० हजार रुपये, चांदी का रॉड वजन १५० ग्रॅम मूल्य १० हजार रुपये, चांदी की चेनपट्टी वजन डेढ किलो मूल्य ४० हजार, नकद ५०० की ९ ४ नोट, कुल ४७ हजार रुपये तथा १०० रुपये के ७० नोट ७ हजार रुपये, ऐसा कुल ३ लाख ७४ हजार रुपये का एवज आरोपी लूट कर भाग गये। ऐसी शिकायत पर धामणगांव बढे पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा ३ ९ ४ , ३४ अनुसार दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी के मार्गदर्शन में आरोपियों को खोजने हेतु दस्ता तैयार किया गया है। इस घटना की जांच धामणगांव पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत ममताबादे कर रहे हैं।

ई रिक्शा चालकों की रहती हैं भरमार

मुंबई हलचल/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अनेक चौराहों पर तथा सरकारी दफ्तरों व मुख्य मार्ग पर ई.रिक्शा चालकों की रहती हैं भरमार, जाम से भी निजात नहीं मिल पा रहा हैं होंसले आसमान छूते नजर आ रहें हैं नहीं हो पा रही हैं कोई कार्यवाही नगर के मुख्य चौराहों एवं सरकारी दफ्तरों के सामने ई रिक्शा संचालकों की लगातार भीड़ जमा रहती है मुख्य बाजार के अंदर ई.रिक्शा चालकों ने अपना पूर्ण तरीके से दबाव बना रखा हैं पुलिस विभाग

की सख्ती के चलते कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं सम्मानित व्यक्ति या कोई अन्य व्यक्ति ई.रिक्शा चालकों से जाम जैसी स्थिति को देखते हुए वार्ता आदि करता हैं तब सम्मानित व्यक्ति के साथ अपमानता का मामला अपनाया जाता हैं तथा जगह जगह पिक अप व मारूति खड़ी कर रास्तों को बाधित कर दिया जाता हैं नगर पालिका परिषद का भी इस ओर कोई खास तवज्जों भी नहीं है जिनको वहां से हटवायां जाय या पिक अप आदि खड़े होने का स्थान तक नहीं है गम्भीर स्थिति को देखते हुए दोनों विभाग मौन बने बैठे हुए है जिनपर रोक लग पाना कठिन कार्य साबित हो पा रहा है।

सकारात्मक सोच के साथ काम करते रहें, जिला पुलिस अधीक्षक की अपील, पदोन्नत पुलिस उपनिरीक्षक का किया सत्कार

मुंबई हलचल/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। बुलढाणा जिला पुलिस बल में कार्यरत दस पुलिस उपनिरीक्षकों को सहायक पुलिस निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। अतः जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया के हाथों 29 मार्च 2022 को जिला पुलिस अधीक्षक के कक्ष में दस पदोन्नत पुलिस उपनिरीक्षकों को मिठाई और फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने पदोन्नत पुलिस उप निरीक्षकों को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने पारिवारिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक बजरंग बंसोडे, प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक गिरीश ताठोड़, एलसीबी के पुलिस निरीक्षक बलिराम गीते उपस्थित थे।

शहर नेजा तहफ्फुज कमेटी ने कैम्प लगाकर की मेलार्थियों की सेवा

मुंबई हलचल/अरमान उल हक

संभल। सैयद सालार मसूद गाजी रह0 का परम्परागत नेजा मेला पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। दूर दराज से बड़ी संख्या मे लोग मेले का लुत्फ लेने के लिए पहुंचे। बुधवार को नगर पालिका मैदान व आसपास के क्षेत्र में सैयद सालार मसूद गाजी रह0 की याद में नेजा मेले का आयोजन किया गया। जहां हजारो की तादात में लोग अपने घरो से निकलकर मेले का लुत्फ लेने के लिए पहुंचे। यहीं नहीं दूर दराज से लोग नेजा मेला देखने और महमानदारी के लिए रिष्तेदारो में आये। जगह-जगह नेजा मेले में पुलिस सुरक्षा के कड़े इंतेजाम किए गए। मेले में झूले, ट्रेन, कष्ती, ऊंट घोड़े व फोटो स्टूडियों का मेलार्थियों ने खूब मजा लिया तो जूस, चाट, पकौड़ी, आईसक्रीम व हल्वा पराठे, कवाब, पूरी जैसे पकवान का भी लोग मजा लेना नहीं भूले। मीना बाजार में महिलाओ ने जमकर खरीदारी की तो बच्चों ने खिलौने खरीदे और बड़ों ने परिवारों के लोगों के साथ मेले का भूरपूर आनन्द लिया। वहीं राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने भी मेले में पहुंचकर मेलार्थियों का हौंसला बढ़ाया। पुलिस-प्रषासन की ओर से सुरक्षा के पुखता इंतेजाम किए गए। शहर नेजा तहफ्फुज कमेटी की ओर से पालिका ग्राउण्ड में नेजा मेले के मौके पर लगाये गए कैम्प में मेलार्थियों के लिए जलपान, बैठने की व्यवस्था की गई एवं खोये पाये बच्चों को उनके परिवार से मिलाया गया। कमेटी के सचिव एवं पूर्व सभासद तस्दीक ईलाही ने कैम्प आये मेहमानो, पुलिस-प्रषासनिक अधिकारियों, नेताओं एवं सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के पगड़ी बांधकर सम्मानित करते हुए हौंसला वर्धन किया। इस दौरान सभासद शमशाद हुसैन राजा, आफताब ईलाही, मुजम्मिल खां मुजम्मिल,वरिष्ठ पत्रकार अजीम अब्बासी, हाफिज इम्तियाज अंसारी फरजन्द अली वारसी, संभल की आवाज सुहैल अनवर, आसिफ रजा, मषहूद अली फारूकी, नौषाद सबाहत आदि मौजूद रहे।

सी पी एस पब्लिक स्कूल में वेस्ट यूनिफॉर्म चुने गए छात्र अंश गुप्ता को मिला पुरस्कार

मुंबई हलचल/अरमान उल हक

संभल। नगर पंचायत नरौली के मौहल्ला साहूकारा निवासी छात्र अंश गुप्ता ने लगभग एक महीने देरी से बहजोई रोड संगम बिहार स्थित इंग्लिश मीडियम पब्लिक स्कूल (सीपीएस) में एडमिशन लिकया था देर से एडमिशन लेने के बाबजूद भी छात्र ने मन लगाकर पढाई की व अपनी साफ सफाई का भी विशेष रूप से ध्यान रखा। जिससे छात्र को सी पी एस इंग्लिश मीडियम चन्दौसी पब्लिक स्कूल में पास होने पर गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया व श्रेष्ठ यूनीफार्म में चुने जान पर स्कूल के प्रबंधक सिंह द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। जिससे अंश गुप्ता के परिवार में बेटे के गोल्ड मेडल लाने पर व वेस्ट यूनिफार्म चुने जाने पर खुशी का मौहल है छात्र के परिवारिक सदस्यों ने अंश को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराया और अपना आशीर्वाद देकर उच्च शिक्षा ग्रहण कर परिवार का नाम रोशन करने के लिए कहा। इस दौरान सुधीर गुप्ता,विकास गुप्ता, झरना गुप्ता, इति गुप्ता तान्या गुप्ता, अंकाक्षा गुप्ता, शीतल गुप्ता श्रुति गुप्ता राहुल गुप्ता प्रिन्सू गुप्ता शिभम गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

उदयपुर टीम ने किया एडवोकेट के. आर. सिद्दिक़्की का सम्मान

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। उदयपुर टीम द्वारा समाज सेवक, के,आर, सिद्दीकी, हाजी मोहम्मद बक्श का सम्मान किया गया के, आर,सिद्दीकी हाजी मोहम्मद बख्स साहब पिछले कई सालों से सर्व समाज के लोगो मे अपनी सेवाएं दे रहे है रक्तदान व मरीजो की सेवा में हमेशा बढ़चढ़कर हिस्सा लेते आये है कई ऐसे बच्चे भी है जिनको इस्कूल कॉलेज में किताबे व अन्य मदद इनके द्वारा की गई है एडवोकेट के आर सिद्दीकी पेशे से एडवोकेट है वर्तमान में राजस्थान बार एसोसिएशन के सदस्य, मुस्लिम महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव, चिस्तिया मस्जिद रूपनगर गरीबनवाज कालोनी में सेकेट्री के पद पर रहकर अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवा दे रहे है इस कार्यक्रम में उदयपुर टीम से रियाज खान,मोहम्मद अय्युब तँवर,अब्दुल अजीज, रशिद खान कानोड़, अल्ताफ हुसैन, सलीम खान, आदि मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन असरदार तरीकों से हटाएं चेहरे पर पड़े Dark Patches

प्रदूषण के कारण महिलाओं को कई स्किन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ता है, जिसमें में से एक है डार्क पैचेज। चेहरे पर मौजूद डार्क पैचेज आपका पूरा लुक खराब कर देते हैं। ज्यादातर यह समस्या हार्मोनल चेंजेज, पॉल्यूशन और स्किन एजिंग के कारण होती है। लड़कियां इस प्रॉब्लम को दूर करने के लिए महंगे से महंगा ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती हैं लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीकों से भी इससे छुटकारा पाया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू तरीके बताएंगे, जिससे आपको इस परेशानी से राहत मिलने के साथ-साथ क्लीयर और ग्लोइंग स्किन भी मिलेगी।

1. छाछ

छाछ में मौजूद ब्लीचिंग प्रोपर्टीज स्किन लाइटनिंग करने में मदद करती है। रोज अपने चेहरे को धोकर कॉटन की मदद से इसे डार्क पैचेज पर लगाएं और सूखने पर धो लें। हफ्तेभर में आपको फर्क नजर आने लगेगा।

2. हल्दी

स्किन लाइटनिंग के लिए 1/4 टीस्पून हल्दी में 1 टीस्पून चंदन पाउडर और 2 टेबलस्पून नींबू का रस मिलाएं। इसके बाद इसे 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और सूखने पर साफ करें।

3. विटामिन ई ऑयल

रात को सोने से पहले चेहरे को फेसवॉश से धो लें और फिर विटामिन ई ऑयल को चेहरे पर लगाएं। सुबह उठकर चेहरे को साफ करें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल आपको डार्क पैचेज से छुटकारा दिलाएगा।

4. पुदीना

पुदीने का पेस्ट न सिर्फ डार्क पैचेज को दूर करता है बल्कि इसका इस्तेमाल त्वचा को फ्रेश लुक भी देता है। पुदीने की पत्तियों का रस निकाल कर उसे चेहरे पर आधे घंटे के लिए लगाएं और उसके बाद चेहरा धो कर साफ कर लें। हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करें।

5. कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल को कॉटन की मदद से चेहरे को डार्क पैचेज पर अप्लाई करें। चेहरा सूखने के बाद ठंडे पानी से साफ करें। नियमित रूप से इस तेल को लगाने पर आपको कुछ समय में ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

6. आलू

आलू की स्लाइस को चेहरे पर अच्छी तरह रगड़ें। सूखने के बाद चेहरे को पानी से धो लें और फिर मॉइश्चराइजर लगाएं। आप चाहें तो स्किन लाइटनिंग के लिए चेहरे पर आलू का रस भी लगा सकते हैं। इसका इस्तेमाल आपकी प्रॉब्लम को कुछ समय में ही दूर कर देगा।

हफ्ते में 2 बार पीएं बीयर मिलेंगे ये 7 बड़े फायदे

आजकल सिर्फ पुरूष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी बीयर का सेवन करती हैं। कुछ लोग बीयर पीना अच्छा नहीं समझतें लेकिन क्या आप जानते है कि इसका सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है। बीयर में एल्कोहल की मात्रा में बहुत कम होती है, जिसके कारण गर्मी में इसका सेवन शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाता है। इसके अलावा हफ्ते में सिर्फ 2 बार बीयर का सेवन करने से कई बीमारियां जड़ से भी खत्म हो जाती है। आज हम आपको बीयर पीने के कुछ ऐसे ही फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि शायद ही किसी को पता हो।

1. गुर्दे की पथरी

अगर आपके गुर्दे में पथरी है तो हफ्ते में 1 बार बीयर पीएं। इससे आपके गुर्दे में मौजूद बड़ी से बड़ी पथरी भी पिघल कर यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाएगी।

2. ब्लड सकुर्लेशन

हफ्ते में 2 बार डार्क बीयर का सेवन शरीर में ब्लड सकुर्लेशन ठीक रखता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके अलावा बीयर का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।

3. मजबूत हड्डियां

बीयर में सिलिकॉन नामक तत्व होता है, जिससे आपकी हड्डियां मजबूत होती। इसलिए आप हफ्ते में 2 बार बीयर का सेवन जरूर करें।

4. दिल के रोग

सही मात्रा में बीयर का सेवन करने से दिल से जुड़ी समस्याएं खत्म हो जाती है। संतुलित मात्रा में बीयर का सेवन करने वालों को हार्ट अटैक, स्ट्रोक्स या हृदय रोग का खतरा 31% तक कम रहता है।

5. अल्जाइमर

ज्यादा काम करने के कारण आजकल लोगों के दिमाग पर बहुत प्रैशर पड़ता है, जिसके कारण उन्हें अल्जाइमर की बीमारी हो जाती है। ऐसे में हफ्ते में सिर्फ एक बार बीयर का सेवन करें। इसे पीने से अल्जाइमर और दिमाग से जुड़ा हर रोग जड़ से खत्म हो जाएगा।

इन 7 हेल्थ कंडीशन में ना खाएं लहसुन, पहुंचा सकता है नुकसान

भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ लहसुन का इस्तेमाल हैल्दी रहने के लिए भी किया जाता है। लहसुन कान इंफेक्शन और हाई ब्लड प्रैशर की परेशानी को दूर करता है। इसके अलावा रोज इसे खाने से कोलेस्ट्रॉल कम और इम्यून सिस्टम अच्छा रहता है। मगर आयुर्वेद एक्सपर्ट के अनुसार कुछ लोग ऐसे भी है, जिन्हें लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। कुछ हेल्थ कंडीशन में लहसुन के सेवन से फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है। वैसे भी इसकी तासीर गर्म होने के कारण गर्मियों में इसका सेवन हानिकारक होता है। आइए जानते है किन बीमारियों में लहसुन सेवन आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

1. लो ब्लड प्रेशर

लहसुन का सेवन ब्लड प्रेशर कम करता है। इसलिए अगर आपको लो बल्ड प्रेशर की शिकायत हो तो लहसुन को अवॉइड करें।

2. मेडिसिन लेने पर

लहसुन खून को पतला करता है। ऐसे में अगर आप किसी भी तरह की दवाइ लें रहे हैं तो इसका सेवन न करें। क्योंकि इससे आपको ब्लीडिंग हो सकती है।

3. लिवर प्रॉब्लम

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर लहसुन का सेवन वैसे तो फायदेमंद होता है। मगर लिवर की कोई भी प्रॉब्लम होने पर इसे न खाएं। इससे लिवर डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

4. पेट की समस्या

अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं रहती है लहसुन से परहेज करें। इसके अलावा अगर आपको पेट का अल्सर, गैस बनना या डायरिया हो जाए तो भी लहसुन का सेवन न करें।

5. प्रैग्नेंसी

लहसुन की तासीर गर्म होती है। इसलिए प्रैग्मेंसी में कच्चे या ज्यादा लहसुन का सेवन मिसकैरेज का खतरा बढ़ा देता है।

6. सर्जरी से पहले

अगर आप ऑपरेशन या सर्जरी करवाने वाले हैं तो लहसुन को पूरी तरह अवॉइड करें। क्योंकि इससे सर्जरी के दौरान ज्यादा मात्रा में लहसुन खाने से हीमोलाइटिक एनीमिया की कमी हो जाती है, जोकि आपके लिए खतरनाक है।

ब्लीडिंग का खतरा रहता है।

7. एनीमिया

अगर आपको एनीमिया की प्रॉब्लम है तो भूलकर भी लहसुन का सेवन न करें। ज्यादा

गलत आदतो के कारण बढ जाता है कीडानी कैंसर का खतरा

कैंसर एक जानलेवा और खतरनाक रोग है और इसके कई रूप होते हैं। आज के समय में ज्यादातर कैंसर का इलाज ढूंढ लिया गया है मगर इसका खर्च और इससे होने वाली परेशानी बहुत ज्यादा होती है इसलिए इससे बचाव जरूरी है। गलत

जीवनशैली और खानपान आपकी किडनी को बुरी तरह प्रभावित करते हैं, जिसके कारण किडनी ठीक से खून फिल्टर नहीं कर पाती है। खून जब ठीक से फिल्टर नहीं होता तो खून में मौजूद अपशिष्ट पदार्थ और जहरीले तत्व इकट्ठा होकर किडनी और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचाते हैं।

किडनी या गुर्दे रीढ़ की हड्डी के दोनों सिरों पर बीन के आकार के दो अंग होते। शरीर के रक्त का बड़ा हिस्सा गुर्दों से होकर गुजरता है। गुर्दों में मौजूद लाखों नेफ्रोन नलिकाएं रक्त को छानकर शुद्ध करती हैं। आपकी रोजमर्रा की कुछ आदतें किडनी के कैंसर का कारण बनती हैं। इसलिए इन आदतों को तुरंत बदल दीजिए ताकि इस गंभीर रोग से बच सकें।

धूम्रपान की लत

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो किडनी कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वालों में औसतन 50 प्रतिशत किडनी कैंसर होने का खतरा होता है। लेकिन अगर आपके धूम्रपान की लत बढ़ती जा रही है तो यह प्रतिशत बढ़ भी सकता है। जो लोग दिन भर में 20 सिगरेट पीते हैं उनमें किडनी कैंसर की संभावना धूम्रपान नहीं करने वालों से दुगनी होती है।

एल्कोहल का सेवन

एल्कोहल का सेवन करने वाले लोगों में किडनी कैंसर की समस्या हो सकती है। एल्कोहल की लत से किडनी की सेहत पर विपरीत असर होता है जिससे किडनी कैंसर के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। एल्कोहल ना पीने वाले लोगों में एल्कोहल पीने वाले लोगों की अपेक्षा किडनी कैंसर का खतरा कम होता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आलिया भट्ट एसएस राजामौली से हुई खफा?

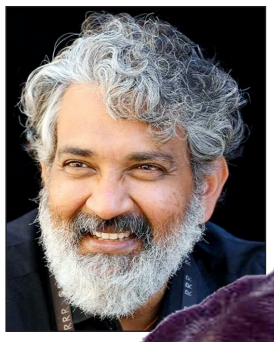

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में राजामौली की फिल्म आरआरआर के साथ अपना साउथ डेब्यू किया हैं। मूवी की रिलीज से पहले से ही आलिया भट्ट का सीता का रोल चर्चा में था। वही, फिल्म रिलीज होने के बाद अब एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राम चरण और जूनियर एनटीआर की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इस बीच खबरें आ रही हैं कि फिल्म में सीता का रोल निभाने वाली आलिया भट्ट एसएस राजामौली से नाराज हो गई हैं। अटकलें ये भी हैं कि आलिया ने आरआरआर के डायरेक्टर एसएस राजामौली को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। आलिया भट्ट ने राजामौली को अनफॉलो नहीं किया। अगर आप आलिया भट्ट के इंस्टा पर फॉलोइंग लिस्ट को चेक करेंगे तो उसमें एसएस राजामौली का नाम साफ दिखता है। लेकिन ये सच है कि आलिया ने फिल्म से जुड़े कुछ पोस्ट भी डिलीट कर दिए हैं। उनके वॉल पर सिर्फ एक पोस्ट दिख रहा है। कुछ रिपोर्ट्स हैं कि आलिया फिल्म और रिव्यूज देखने के बाद नाराज हैं। वजह यह बताई जा रही है कि आलिया फिल्म में मुश्किल से 5 मिनट के लिए दिखाई दी हैं। रिव्यूज में भी इसको नेगेटिव तौर पर लिखा जा रहा है। हालांकि यह पहले से तय था कि आलिया फिल्म में कैमियो ही करेंगी। लेकिन अब चर्चा है कि आलिया को इतने कम स्क्रीन स्पेस की भी उम्मीद नहीं थी। हालांकि आलिया भट्ट और राजामौली की तरफ से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है। आलिया के वॉल पर आरआरआर में सिर्फ उनके इंट्रोडक्शन का पोस्ट दिख रहा है। लोग उन्हें इस पर ट्रोल कर रहे हैं कि इसे भी डिलीट कर दो।

सिंगर कनिका कपूर करने वाली है दूसरी शादी?

बॉलीवुड को बेबी डॉल और चिट्टियां कलाईयां जैसे सुपरहिट गाने देने वाली मशहूर सिंगर कनिका कपूर अक्सर सुर्खियों में रहती है। वही अब एक बार फिर सिंगर खबरों में छाई हुई है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से उनकी शादी की खबरे आ रही हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि कनिका अब शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। कनिका को लेकर ऐसी खबर है कि वह एनआरआई गौतम के साथ रिलेशनशिप में हैं। अब तक दोनों की शादी की खबरें तो आती रहती थीं, लेकिन अब डेट को लेकर भी अपडेट आया है। रिपोर्ट के मुताबिक कनिका 20 मई को गौतम से शादी करने वाली हैं। कनिका ने अपनी शादी की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने शॉपिंग करना शुरू कर दिया है। वह अपने साथ-साथ अपने तीनों बच्चों के लिए भी शॉपिंग कर रही हैं। बता दें कि 43 साल की कनिका की ये दूसरी शादी होगी। इससे पहले कनिका ने राज चंदोक से शादी की थी जिससे उनके 3 बच्चे भी हैं। हालांकि शादी ज्यादा चल नहीं पाई और दोनों अलग हो गए। गौतम भी राज की तरह एनआरआई हैं जो लंदन में रहते हैं।

'दंगल' डायरेक्टर की फिल्म में वरुण धवन-जान्हवी कपूर मचाएंगे 'बवाल'

ऐक्टर वरुण धवन ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। 'भेड़िया' अभिनेता वरुण धवन की नई फिल्म का नाम है 'बवाल'। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला और नेशनल अवॉर्ड विनिंग निर्देशक नितेश तिवारी लेकर आ रहे हैं। वरुण धवन की 'बवाल' की रिलीज डेट के साथ साथ ऐक्ट्रेस का भी ऐलान हो चुका है। पहली बार वरुण धवन के साथ फैंस को जान्हवी कपूर की जोड़ी देखने को मिलेगी। मेकर्स ने बताया कि 'बवाल' अगले साल अप्रेल में रिलीज होगी। वरुण धवन ने इस फिल्म के बारे में ऑफिशियल ऐलान करते हुए खुशी जताई कि वह साजिद नाडियाडवाला और नितेश तिवारी के साथ काम करने के लिए काफी एक्साइटिड हैं। बता दें ये पहला मौका होगा जब पर्दे पर वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी देखने को मिली है। इससे पहले कभी दोनों ने साथ में काम नहीं किया है।